क्या यह उचित है?

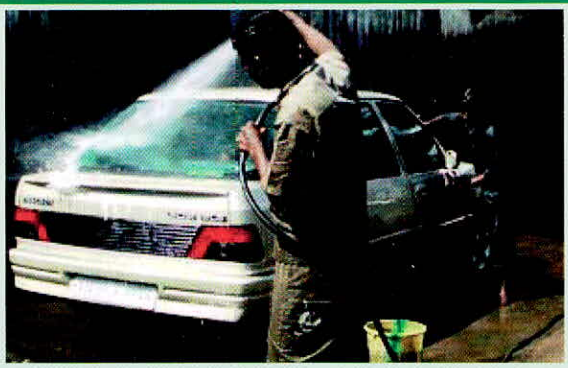

• हम लोग अपने हाथ-मुंह धोते समय अनावश्यक पानी नल से गिरते रहने देते हैं।

• कपड़े धोने या बर्तन धोने के बाद बचे इस पानी को हम अपने शौचालय की सफाई हेतु प्रयोग कर सकते हैं फिर भी हम साफ और ताजा पानी शौचालय की सफाई हेतु उपयोग करते हैं।

• नहाने में हम कई बाल्टी पानी खर्च कर देते हैं जबकी एक-दो बाल्टी पानी से हम अच्छी तरह स्नान कर सकते हैं।

• दाढ़ी बनाते समय हम लोग नल का पानी खुला छोड़कर रखते हैं तथा शेविंग करते रहते हैं।

• हाथ-मुंह धोते समय बाल्टी तथा मग का उपयोग करके काफी पानी बचा सकते हैं किंतु वॉश बेसिन का नल चालू रखकर ज्यादा पानी व्यर्थ बहा देते हैं।

• पानी का सदुपयोग करने के बारे में हम अपने बच्चों को समझाते या काउंसलिंग नहीं करते हैं।

• अनेकों बार हम अपने घरों में नल खुला छोड़ देते हैं और घर में दूसरे काम में लग जाते हैं। बाद में ध्यान आता है कि नल खुला रह गया है।

• शौचालय के फ्लश में ज्यादा पानी रहता है जबकि थोड़े पानी से ही शौचालय ठीक से साफ हो सकता है, फिर भी हम बार-बार फ्लश चलाते हैं।

• अपना वाहन धोने के लिए हम अंधा-धुंध पानी का उपयोग करते हैं।

• सार्वजनिक स्थल पर लगे नल या सड़क के किनारे खराब नल या पाइप से बहते हुए पानी को देखते हुए भी नज़रअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं।

• बाग-बगीचों में विशेषकर शहरों में फूल की क्यारियों में जल नष्ट होने दिया जाता है।

• घर और शहरी गंदगी को नदी और तालाबों के स्वच्छ जल में डालना कितना श्रेयस्कर है।

• संभ्रांत दिखने के लिए पैसे के बल पर दूसरे के हिस्से का पानी लेना क्या शोभा देता है?

• वर्षा के पानी को संचित करने में हम लोग अपने को छोटा समझते हैं।

• कारखानों कां दूषित पानी बिना किसी संकोच या बिना किसी डर के हम स्वच्छ नदी और तालाब में डालते हैं।

• छोटे-मोटे तालाबों में हम प्लास्टिक/पॉलीथीन की थैलियां/कचरा डालकर तालाब को प्रदूषित करते हैं।

कृपया इस पर विचार करें तथा अपने और अपने परिवार के स्तर पर जल को बर्बाद होने से रोकें। क्योंकि यदि हम पानी की इज़्ज़त करेंगे तो पानी हमारी इज़्ज़त करेगा तथा पानी को स्वच्छ रखेंगे तो पानी हमें स्वच्छ रखेगा।

जल का महत्व

जीवन की अनमोल सौगात है जल,
सुखमय जीवन का नवप्रभात है जल,
लोक कल्याण का जीवन संगीत है जल,
ऊर्जा स्रोत के सतरंगी उद्गम का मीत है जल।

सभ्य संस्कृति का सम्मान है जल,
जीवन की सच्ची पहचान है जल,
प्यासे लोगों की अमृत रूपी जान है जल,
प्रकृति का अनूठा वरदान है जल।

सृष्टि का परिधान है जल,
जीव-जन्तुओं की जान है जल,
सद्गुणों की अथाह खान है जल,
समृद्धि की पहचान है जल।

ममतामयी माँ का जीवनदान है जल,
सभी संसाधनों में सबसे महान है जल,
जैवविविधता में सर्वप्रथम स्थान है जल,
सभी बीमारियों का समाधान है जल।

उन्नति का सोपान है जल,
प्रगति की पहचान है जल,
हरित क्रांति का अभियान है जल,
स्वच्छ पर्यावरण का सोपान है जल।

जीव-जन्तुओं का पालनहार है जल,
धरती का बेमिसाल उपहार है जल,
खुशहाली का अनमोल भंडार है जल,
वनस्पतियों का सृजनहार है जल ।

विज्ञान का अद्भुत चमत्कार है जल,
नवयुग के नवसृजन का आधार है जल,
बसंत ऋतु का नवश्रृंगार है जल,
जन-जन की अनवरत पुकार है जल।

संपर्क करें :
श्री विमलेश चंद्र, सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर, रेलवे क्वॉर्टर सं.- 202/सी, प्रतापनगर रेलवे कालोनी, पोस्ट-प्रतापनगर, बडोदरा-390 004 (गुजरात)